सीएसआईआर बुलेटिन

लुंगडू से होगा भारतवर्ष रोगमुक्त

सीएसआईआर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर ने लुंगडू की प्रजाति पर खोज की है। यह सब्जी आमतौर पर जून व सितंबर में होती है, लेकिन आईएचबीटी के वैज्ञानिकों ने टिश्यू कल्चर तकनीक से इसे पूरे वर्ष पैदा करने की सफलता पाई है। यह हिमाचल में प्राकृतिक रूप से उगने वाली सब्जी है। लुंगडू में विटामिन ए, विटामिन बी कॉम्प्लैक्स, आयरन, सोडियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, कैरोटिन, मिनरल्स भरपूर मात्रा में मौजूद हैं। इसे कुपोषण से निपटने के लिए भी एक अच्छा स्रोत माना जाता है। संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध में यह पाया गया है कि लुंगडू मधुमेह अथवा चर्म रोगों से बचाव करता है इसके अलावा हार्ट के मरीजों के लिए भी यह अच्छा माना जाता है।

एनबीआरआई ने विकसित की हर्बल हेयर डाई

सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने हर्बल हेयर डाई विकसित की है। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. महेश पाल द्वारा 15 वर्षों तक शोध करने के बाद प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से विकसित हर्बल हेयर डाई का फॉर्मूलेशन तैयार किया है, यह डाई शरीर के अंगों के लिए भी सुरक्षित है। इसकी तकनीक हिमाचल प्रदेश में स्थित मेसर्स केंटीसी लिमिटेड कंपनी को स्थानान्तरित की गयी है। यह हर्बल डाई पूरी तरह कैमिकल फ्री है।

किसानों को मिली खेती की तकनीकों की जानकारी

सीएसआईआर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर द्वारा मिजोरम राज्य के ग्रामीण अधिकारियों व महिला किसानों के लिए चार दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें किसानों को विभिन्न प्रौद्योगिकियों की जानकारी दी गई। आईएचबीटी के सहयोग से पहली बार सेब की लो चिलिंग किस्में मिजोरम के चंपाई जिले में उगाई जा रही हैं। इन किस्मों को कम से कम 300 से 500 घंटे के चिलिंग आवर्स की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर मिजोरम से आए किसानों को बांस के विभिन्न उत्पादों की जानकारी दी गई।